This question paper contains 2 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper	: 5294
Unique Paper Code	: 205539
Name of Paper	: Hindi (A)
Name of Course	: B.A. (Prog.)
Semester	: V
Duration	: 3 hours
Maximum Marks	: 75

G

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं दो अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 9,9

(क) छोड़कर पार्थिव भोग विभूति, प्रेयसी का दुर्लभ वह प्यार।
पिता का वक्ष भरा वात्सल्य, पुत्र का शैशव सुलभ दुलार।
दुख का करके सत्य निदान, प्राणियों का करने उद्धार।
सुनाने आरण्यक संवाद, तथागत आया तेरे द्वार।

(i) प्रस्तुत काव्यांश के कवि एवं कविता का नाम लिखिए।

(ii) 'पार्थिव भोग विभूति' का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'तथागत' किसके द्वार आये?

(ख) किसी भाषा के सामान्य प्रयोग करने वाले उसके कुछ सहस्र शब्दों का ही प्रयोग करते हैं, पर उसी के विशिष्ट प्रयोग करने वाले लाखों शब्दों का व्यवहार करते हैं। जितने अधिक शब्दों का प्रयोग किसी भाषा में होता होगा वह उतनी ही समृद्ध समझी जाएगी। अंग्रेज़ी को अपनी इसी विशेषता के कारण संसार की भाषाओं में महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है? इस पाठ के लेखक का नाम भी लिखिए।

(ii) अंग्रेज़ी भाषा को समृद्ध भाषा क्यों कहा जाता है?

(iii) प्रस्तुत गद्यांश की भाषा पर विचार कीजिए।

(ग) तुमने तो मुझे कलम से पैदा किया है, मेरे इन दोस्तों को देखो! इनकी अम्माओं ने तो इन्हें अपने जिस्म से पैदा किया है। फिर भी वे इनके निजी जीवन में इतना हस्तक्षेप नहीं करती, जितना तुम करती हो। तुमने तो मेरी नाक में दम कर रखा है। ऐसा करो, वैसा मत करो। मानो मैं आदमी नहीं, काठ का उल्लू हूँ। सो बाबा ऐसी नेतागिरी मुझसे निभाए न निभेगी।

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है? इस पाठ के लेखक का नाम भी लिखिए।

(ii) 'कलम से पैदा' करने का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iii) प्रस्तुत गद्यांश की भाषा-शैली पर विचार कीजिए।

P.T.O.

2. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) 'पर्दा उठाओ पर्दा गिराओ' एकांकी के व्यंग्य पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'बाजार दर्शन' निबंध का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा' का कथ्य लिखिए।

(iv) 'मुझको न मिला रे कभी प्यार' कविता का भाव स्पष्ट कीजिए।

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) 'भाषा बहता नीर' है, इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ii) भाषा के विविध अंगों पर विचार कीजिए।

(iii) हिन्दी भाषा के संरचनात्मक गठन को समझाइए।

(iv) भाषा के अभिलक्षणों पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) भाषा और समाज का आपसी संबंध स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सामाजिक स्तर-भेद का भाषिक विविधता पर क्या प्रभाव पड़ता है? स्पष्ट कीजिए।

(ii) औपचारिक भाषा और अनौपचारिक भाषा का अर्थ समझाइए।

5. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) किन्हीं **पाँच** शब्दों के तत्सम रूप लिखिए:

अँधेरा, माता, दूध, सांझ, नाच, सपना।

(ii) अरी वरुणा की शांत कछार!
तपस्वी के विराग की प्यार!

उपरोक्त पंक्तियों में निहित शब्द-शक्ति स्पष्ट कीजिए।

(iii) निम्नलिखित एकार्थी शब्दों में से **पाँच** का वाक्य में ऐसे प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ जाए:

विमल, जत्था, घृणा, विजयी, तपस्वी, उन्मत्त।

(iv) किन्हीं **पाँच** अनेकार्थी शब्दों के दो-दो अर्थ स्पष्ट कीजिए:

राग, आस्था, विधि, पद, गुरु, काम, फल।